2 सोनिया का संकोच

(शिक्षाप्रद कहानी)

प्रतिध्वनि

"जैसा हमारा आत्मविश्वास होता है वैसी ही हमारी क्षमता होती है।" - विलियम हैजलिट

"स्वास्थ्य सबसे बड़ी दौलत है। संतोष सबसे बड़ा खजाना है। आत्मविश्वास सबसे बड़ा मित्र है।" - लाओ त्जु

सोनिया बहुत कम बोलती थी। लड़ाई-झगड़ा तो रही दूर की बात, वह अपनी कक्षा में अध्यापक से भी कोई प्रश्न नहीं करती थी। सभी उसे संकोची लड़की के नाम से जानते थे। उसके माता-पिता भी उसके इस स्वभाव से चिंतित रहते थे।

सोनिया के पिता सोनिया के स्वभाव को लेकर चिंतित थे। वह सोचते थे कि शायद यह उसका पैतृक गुण हो क्योंकि वह खुद भी शुरू में बहुत संकोची थे, और बाद में ही मुखर हो सके थे।

एक दिन सोनिया की सहेली काजल की माँ ने व्यंग्य भरे लहजे में सोनिया की माँ से कहा, "सोनिया की मम्मी, इस बात को गंभीरता से लो। लड़की का संकोची होना अच्छी बात नहीं है। आप इसे किसी मनोचिकित्सक को दिखाएँ। जिनके घर में विचार-विमर्श, लिखने-पढ़ने का माहौल न हो, उनके बच्चे ऐसे हों तो कोई बात नहीं, लेकिन आपके घर में।"

उन्हें काजल की माँ की बात अच्छी नहीं लगी थी। सोनिया अपनी कक्षा में बोलने में जितनी संकोची थी, उतनी ही पढ़ाई-लिखाई में होशियार थी। यह बात उसके घर वालों के साथ-साथ अध्यापकों को भी पता थी।

बहुत सोच-विचार के बाद एक दिन सोनिया के पिता ने उसे अपने पास बुलाया और कहा

Class 3

Class 3 Ch 2 'सोनिया का संकोच'

सोनिया बहुत ही संकोची स्वभाव की लड़की थी। वहपढ़ाई में होशियार थी ।परंतु अपने संकोची स्वभाव के कारण वह आगे नहीं बढ़ पा रही थी उसके इस स्वभाव से उसके माता-पिता चिंतित रहते थे ।

एक दिन सोनिया के पिता ने उसे बैठाकर समझाया और कहा कि तुम पढ़ने में तेज हो, तुम्हारा स्वास्थ्य अच्छा है ,तुम्हारे पास ज्ञान का भंडार है इसलिए तुम्हें संकोच नहीं करना चाहिए । पिता की बात का सोनिया पर गहरा असर हुआ । उस दिन सोनिया के संकोच का आखिरी दिन था और सोनिया के चेहरे पर आत्मविश्वास दिख रहा था ।

जीवन मूल्य - हमें संकोची स्वभाव का ना होकर पूरे आत्मविश्वास और लगन से अपना कार्य करना चाहिए ।

Scanned with CamScanner

शब्दार्थ

संकोच - हिचकिचाहट

मुखर - बहुत बोलने वाला

चिंतित - परेशान

आत्मविश्वास - अपनी योग्यता पर

मनोचिकित्सक - मानसिक रोगों की चिकित्सा करने वाला

Scanned with CamScanner

सही कथन पर (✓) का तथा गलत कथन पर (×) का निशान लगाइए–

(क) सोनिया बहुत ही बातूनी लड़की थी।

(ख) सोनिया की माँ को काजल की माँ की बात अच्छी नहीं लगी।

(ग) सोनिया के पिता सोनिया के स्वभाव को लेकर बहुत खुश रहते थे।

(घ) सोनिया ने अपने पिता से वादा किया कि वह अब से संकोच नहीं करेगी।

(ङ) सोनिया पढ़ाई-लिखाई में भी होशियार नहीं थी।

Scanned with CamScanner

Class 3 पाठ 2 'सोनिया का संकोच'

प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क- सोनिया का स्वभाव कैसा था ?
उत्तर सोनिया बहुत ही संकोची स्वभाव की थी ।
ख- सोनिया के पिता उसके स्वभाव के बारे में क्या सोचते थे?
उत्तर -सोनिया के पिता सोनिया के स्वभाव को लेकर चिंतित थे ।वह सोचते थे कि शायद यह उसका पैतृक गुण है क्योंकि वह भी शुरू मे संकोची थे ।
ग- सोनिया के पिता ने सोनिया को क्या समझाया ?
उत्तर -सोनिया के पिता ने उसे समझाया कि उसे संकोच नहीं करना चाहिए । वह किसी से भी कम नहीं है उसे मुखर होना चाहिए और अगर कोई गलत बात कहता है तो उसे तर्कों का सहारा लेना चाहिए।
घ-सोनिया ने अपने पिता से क्या वादा किया?
उत्तर -सोनिया ने अपने पिता से वादा किया कि आगे से डर और संकोच नहीं करेगी तथा एक दिन उन्हें कुछ बनकर दिखाएगी ।
ङ - इस कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
उत्तर -इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें संकोची स्वभाव का ना होकर पूरे आत्मविश्वास और लगन से अपना कार्य करना चाहिए ।

नोट -कृपया प्रश्न -उत्तर एवं शब्द -अर्थ कॉपी में लिखें।

Scanned with CamScanner